अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 15 दिसंबर 2025
पौष कृष्ण-एकादशी
विक्रम संवत-2082

PAGE NO 5 : BOTTOM

पुत्र वियोग की मार्मिक कहानी है मेरा राजहंस

बरेली। नाटक मेरा राजहंस लेखक सुधीर विद्यार्थी के जीवन की सत्य घटना पर आधारित है। यह उनका संस्मरण है। इस नाटक का मंचन रविवार को रिद्धिमा सभागार में किया गया।

नाटक में सुधीर की भूमिका में मुख्य पात्र अखिलेश नारायण हैं। सुधीर अपने मृत पुत्र चंदन की यादों में खोए रहते हैं। चंदन की मृत्यु अल्पायु में एक सड़क दुर्घटना में हुई है, इसके चलते पिता सुधीर पुत्र वियोग में अकेले पड़ गए हैं। चंदन को जन्म से ही बहुत सी बीमारी रही, लेकिन वो हंसते-हंसते बीमारियों से लड़ता गया। इलाज में हुई दिक्कतों को उजागर करते हुए चिकित्सा व्यवस्था पर तंज कसती ये कहानी अंततः एक पीड़ा को दर्शाती है, जो पुत्र के लिए पिता की है।

संस्था एकलव्य थिएटर देहरादून की प्रस्तुति में मंच पार्श्व में प्रकाश संयोजन ऋतिक सिमल्टी का रहा। संगीत संरचना सुप्रिया मौलिक की रही। प्रस्तुति नियंत्रण जागृति कोठारी का रहा। प्रस्तुति के दौरान देवमूर्ति सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इससे पूर्व भी इस नाटक का शो शाहजहांपुर के मनीष मुनि ने बरेली में किया था। संवाद

नाटक मेरा राजहंस का मंचन करता कलाकार। स्रोत : संस्था